**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 858**

**28 जुलाई, 2015 को उत्तर के लिए**

**हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स का पुनरुद्धार**

**858. श्री ए. के. सेल्वाराज :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क)क्या सरकार हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड के कार्यकरण में तेजी से सुधार किए जाने पर विचार कर रही है ;

(ख) क्या यह सच है कि इसके उत्पाद की गुणवत्ता और रखरखाव बहुत घटिया है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि रोल्स रॉयस ने हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड द्वारा विनिर्मित जेगुआर एवं हॉक एडवांस्ड जेट ट्रेनर्स के इंजनों की पूरी जांच करके मरम्मत करने के समय को अवक्रमित कर दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)**

(क): जी, हां । सरकार ने हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को मजबूत बनाने और इसकी पुनर्संरचना के लिए श्री बी. के. चतुर्वेदी, सदस्य, योजना आयोग की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है । इस समिति ने अपनी विभिन्न बैठकों एवं अपने विचार-विमर्शों के आधार पर रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया और 07.09.2012 को इसे सरकार को सौंपा था । समिति की 38 सिफारिशों में से 34 सिफारिशें स्वीकार कर ली गई हैं तथा शेष 4 सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया गया था ।

(ख): एचएएल, विनियामक एवं गुणता प्रबंधन प्रणालियों(क्यूएमएस) के जरिए अपने गुणता कार्य को प्रबंधित करता है जिसमें इसके सभी प्रभागों में प्रक्रिया दृष्टिकोण के संपूर्ण गुणता सिद्धांत, ग्राहक पर ध्यान, निरंतर सुधार तथा जांच एवं विश्लेषण शामिल हैं ।

कंपनी के गुणता निष्पादन की समझौता ज्ञापन(एमओयू)(एचएएल एवं रक्षा मंत्रालय के बीच हस्ताक्षरित) के जरिए मानीटरी भी की जाती है ।

(ग): जगुआर एवं हॉक विमानों के इंजनों के लिए जीवनकाल संबंधी (लाइफिंग) निर्णय, लाइफिंग समिति द्वारा निर्धारित किए जाते हैं ।

लाइफिंग समिति के अनुसार, जगुआर विमान के इंजनों की मरम्मत के समय (टीबीओ) को कम नहीं किया है जो कि एडूर एमके-811 इंजनों के लिए 1200 घंटे है ।

हॉक विमान इंजनों (एडूर 871) के लिए अभिहित 2000 घंटे का टीबीओ जीवनकाल प्राप्त कर लिया गया है । एचएएल द्वारा विनिर्मित इंजनों का जीवनकाल पहले 1000 घंटे तक सीमित था । 4 संघटकों के जीवनकाल पर प्रतिबंध के कारण ऐसा था । बाद में लाइफिंग समिति ने टीबीओ को बढ़ाकर 1400 घंटे कर दिया था । इसके बाद किए गए नमूना परीक्षणों के आधार पर, वर्तमान में विनिर्मित किए जा रहे इंजनों के लिए लाइफिंग समिति ने टीबीओ को 1400 घंटों से बढ़ाकर 2000 घंटे कर दिया है ।

**\*\*\*\*\***